गरवी गुजरात

GARVI GUJARAT

RNI No.: UPHIN/25/A1697

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 116
दि. 26.08.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो, 5400 करोड़ की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

अहमदाबाद (जीएनएस)। पीएम मोदी अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अहमदाबाद में रोड शो किया। उन्होंने यहां 5400 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे।

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 26 अगस्त को सुबह लगभग 10.30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है।

सड़क, पुल और बिजली परियोजनाओं की सौगात

पीएम मोदी वीरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क के चौड़ीकरण का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर मार्ग पर छह लेन वाले वाहन अंडरपास और अहमदाबाद-वीरमगाम मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। राज्य में विद्युत क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए पीए मोदी उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन

पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के स्व-स्थाने स्लम पुनर्वास घटक के अंतर्गत रामापीर ने टेकरो के सेक्टर-3 में स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

शुभांशु शुक्ला के नाम पर स्कॉलरशिप शुरू करेगी सरकार, सीएम योगी की घोषणा

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि से देश का सम्मान बढ़ा है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की ताकत को दुनिया ने देखा है। उन्होंने घोषणा की कि यूपी सरकार शुभांशु शुक्ला के नाम पर स्कॉलरशिप योजना का शुभारंभ करेगी।

सीएम योगी ने कहा कि ये हमारे देश के लिए आज की ही सफलता नहीं है बल्कि उस विरासत का हिस्सा है जो कि हमारे जीन्स में पहले से ही मौजूद है। ये हमारे देश की अविश्वविसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन है। शुभांशु का अनुभव हमारे देश के अंतरिक्ष के क्षेत्र से जुड़े अन्य मिशन में मदद करने वाला साबित होगा। उनके अनुभवों से हमारी नई पीढ़ी सीखेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह फील्ड अभी तक हम लोगों के लिए अछूता था। जलवायु परिवर्तन से पूरी दुनिया जूझ रही है। कहीं बारिश तो कहीं सूखा है। फसलचक्र पर असर पड़ रहा है। आकाशीय बिजली से भी जनहानि होती है। इस दिशा में हम बेहतरीन प्रबंधन कर सकते हैं। यह अवसर ग्रुप कैप्टन शुभांशु के रूप में हमारे पास है। नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम हमारे देश के युवाओं के लिए साइंस और टेक्नालॉजी में नये अवसर खोलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा के दौरान 18 दिनों में शुभांशु ने 300 से भी अधिक बार पूरी पृथ्वी की परिक्रमा की है। ऐसे बहुत सारे लोग लखनऊ में रहते हैं जो कि अपने पूरे जीवन में पूरा लखनऊ भी नहीं घूम पाते हैं। शुभांशु ने पूरी पृथ्वी की परिक्रमा की। यह अद्भुत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन वी

नारायणन का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि शुभांशु यूपी के पहले नागरिक हैं जिन्होंने अंतरिक्ष तक की यात्रा तय की जो कि हमारे देश के लिए गर्व की बात है। सीएम योगी ने कहा कि शुभांशु के पिता यूपी सरकार के कर्मचारी रहे हैं। उनके संस्कारों के कारण ही शुभांशु ने यह उपलब्धि हासिल की है।

इस मौके पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी नारायणन ने कहा कि हमारे देश में अभी तक ऐसा होता रहा है कि जब क्रिकेट मैच होता है तो पूरा देश एकजुट नजर आता है पर जब अंतरिक्ष मिशन लांच हुआ और अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा तो पूरा देश एकजुट नजर आया और इसका जश्न मनाया। शुभांशु इस मिशन का प्रमुख हिस्सा रहे। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सिर्फ अंतरिक्ष के क्षेत्र में ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश आज आगे बढ़ रहा है। देश का सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ की भी प्रशंसा की और कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व के कारण आज हम यूपी के विकास की कहानियां पढ़ रहे हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी तेजी से विकसित हो रहा है। हमें भारत के अंतरिक्ष मिशन में किए गए योगदान पर गर्व है। हमें हमारी शिक्षा व्यवस्था पर गर्व है।

"यह हमारे देश के लिए स्वर्णिम समय है"

शुभांशु ने कहा कि हमने अंतरिक्ष में कई प्रयोग किए। ये हमारे देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष में रहना एक चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होता है इसलिए शरीर पर दबाव पड़ता है। मिशन को सफल बनाने के लिए हमारे साथ एक बड़ी टीम काम करती है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने का स्वर्णिम समय है। आने वाले समय में हमारा देश कई और अंतरिक्ष और चंद्र मिशन में शामिल होगा।

नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में शुभांशु शुक्ला ने अपने अनुभव बांटते हुए कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज जब मैं लखनऊ पहुंचा तो खुले हाथों से मेरा स्वागत किया गया। मैंने पूरे दिन में करीब दो हजार सेल्फी ली। ये कहा जाता है कि मुस्कुराइये कि आप लखनऊ में हैं... मुझे इसका मतलब आज समझ में आया है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि अंतरिक्ष में जो चार लोग गए उनमें से एक हमारे लखनऊ के शुभांशु शुक्ला हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा समय है जब भारत के सामने चुनौतियां आती हैं तो भारत विजय प्राप्त करता है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लखनऊ में आगमन पर उनके सम्मान में लोकभवन में नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंच चुके हैं। इस मौके पर दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य सहित यूपी सरकार के मंत्री व शुभांशु का पूरा परिवार मौजूद है। सीएम योगी ने शुभांशु शुक्ला को सम्मानित किया। सभी ने खड़े होकर शुभांशु की उपलब्धियों का अभिनंदन किया।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से सपरिवार मुलाकात की। इस अवसर पर सीएम योगी ने उन्हें बधाई दी।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी : अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गर्मजोशी से किया स्वागत

गांधीनगर, 25 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को अहमदाबाद पहुंचे। राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री अपने गुजरात दौरे के दौरान 'विकसित भारत, विकसित गुजरात' के अंतर्गत करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री के आगमन पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी)

की अपर मुख्य सचिव श्रीमती सुनयना तोमर, एयर मार्शल एस. श्रीनिवास, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त श्री जी.एस. मलिक, चीफ प्रोटोकॉल अधिकारी श्री ज्वलंत त्रिवेदी और अहमदाबाद कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उनका स्वागत किया।

हरक सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट से मचा सियासी बवंडर

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस में हरक सिंह के बयान के बाद अब हरीश रावत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तंज कसने के साथ नया सियासी दांव भी चला है।

हरीश रावत ने लिखा है कि प्रायश्चित करने का सभी को हक है। ऐसे उज्याडू बल्द को भी जिसे कांग्रेस ने उत्तराखंड से अपनवाया, मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया और जिस व्यक्ति ने अपने महान पिता के सामाजिक सद्भाव व धर्मनिरपेक्षता के महानतम सिद्धांतों को चौराहे पर आग लगा दी और कांग्रेस पार्टी की पीठ पर छूरा भौंककर भाजपा की गोद में बैठ गये। धर्म पद के लिए धर्मगुरु की पहचान को तिलांजलि देने वालों को भी प्रायश्चित का हक है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम और सीएम को बर्खास्त करने वाले बिल पर अमित शाह ने राहुल गांधी पर कसा तंज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नैतिक स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या लगातार तीन चुनाव हारने के बाद उनका नैतिक रुख बदल गया है। शाह के अनुसार, नैतिकता के मानदंड चुनाव में जीत या हार से जुड़े नहीं होते। गृह मंत्री ने 2013 की एक घटना का हवाला देते हुए कहा शाह ने कहा, "राहुल जी ने मनमोहन सिंह द्वारा लालू जी की रक्षा के लिए लाए गए अध्यादेश को क्यों फाड़ दिया? अगर उस दिन नैतिकता थी, तो अब क्या हुआ? क्या सिर्फ इसलिए कि आपने लगातार तीन चुनाव हारे हैं?

मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर उनका अभिनन्दन किया

भारत के किसी नागरिक को 04 दशक बाद अंतरिक्ष यात्रा के लिए भेजने का अवसर प्राप्त हुआ, श्री शुभांशु शुक्ला उ0प्र0 के पहले अंतरिक्ष यात्री, जो किसी स्पेस मिशन के साथ जुड़े : मुख्यमंत्री

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उ0प्र0 के युवाओं के लिए आगे बढ़ने के अवसर तथा सम्भावनाएं हैं

राज्य सरकार स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उच्च अध्ययन अर्जित करने वाले छात्रों के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर छात्रवृत्ति जारी करेगी

माता-पिता के संस्कारों से पुत्र ने आगे बढ़कर सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया।

भोपाल से बीजेपी सांसद आलोक शर्मा का विवादित बयान, लव जिहाद से लेकर प्यारे मियां सहित शारिक मछली मामलों को लेकर बोले- ये भोपाल मुसलमानों का नहीं है

(जीएनएस)।

भोपाल से सांसद चुने जाने के बाद आलोक शर्मा लगातार अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। कभी धार्मिक कटाक्ष तो कभी विवादित टिप्पणियां-आलोक शर्मा का अंदाज बताता है कि वे बयानबाजी के जरिए राजनीतिक बहस को गर्माए रखना चाहते हैं। इस बार उन्होंने एक मटकी फोड़ कार्यक्रम में ऐसा बयान दिया, जिसने सियासी हलचल मचा दी है।

करोंद इलाके में आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में मंच से बोलते हुए आलोक शर्मा ने कहा- "ये भोपाल मुसलमानों का भोपाल नहीं है। ये भोपाल सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, प्रतिहार वंश, राजा भोज और रानी कमलापति का भोपाल है। हमें सनातन संस्कृति की रक्षा करनी होगी। लव जिहाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

इस बयान के साथ उन्होंने लव जिहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही और शारिक मछली से लेकर प्यारे मियां जैसे मामलों का जिक्र किया। इस बयान ने न केवल सियासी हलचल मचाई, बल्कि सोशल

मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कांग्रेस ने इसे देश-विरोधी और विभाजनकारी करार दिया, जबकि कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने इसका समर्थन किया। यह बयान आलोक शर्मा की उन टिप्पणियों की कड़ी में है, जो पहले भी सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने के लिए आलोचनाओं का शिकार हो चुकी हैं।

आलोक शर्मा का विवादों से नाता

आलोक शर्मा, जो 2024 में भोपाल से पहली बार सांसद चुने गए, इससे पहले भोपाल के मेयर रह चुके हैं। उनके बयान अक्सर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाने के लिए आलोचनाओं का शिकार होते रहे हैं। मई 2025 में उन्होंने लव जिहाद के आरोपियों की नसबंदी की मांग की थी, जिस पर भारी विवाद हुआ। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने भोपाल के जिम ट्रेनर्स को निशाना बनाते हुए कहा था कि मुस्लिम ट्रेनर्स की सूची बनाकर पुलिस को सौंपी जाएगी, क्योंकि वे कथित तौर पर लव जिहाद में शामिल हैं।

इस बार के बयान में उन्होंने भोपाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को जोड़ते हुए मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया। उन्होंने शारिक मछली और प्यारे मियां जैसे मामलों का उल्लेख किया, जो भोपाल में हाल के वर्षों में लव जिहाद के आरोपों से जुड़े रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के सरकारी दफ्तरों में पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर पाबंदी, आखिर सरकार ने क्यों लिया ये फैसला?

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने साइबर सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आदेश जारी कर साफ कर दिया है कि अब प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में आधिकारिक कंप्यूटरों और लैपटॉप पर पेन ड्राइव का इस्तेमाल पूरी तरह से बैन होगा।

यह पाबंदी सिविल सचिवालय जम्मू और श्रीनगर से लेकर सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नर दफ्तरों तक लागू होगी। दरअसल, सरकार के इस फैसले का मकसद सरकारी डाटा को साइबर अपराधियों से बचाना और डिजिटल सिस्टम को और सुरक्षित बनाना है। आईए जानते हैं सरकार ने क्यों लिया यह फैसला..

आदेश में कहा गया है कि पेन ड्राइव के जरिए अक्सर डेटा चोरी, मैलवेयर संक्रमण और अनधिकृत एक्सेस जैसी घटनाएं सामने आती हैं। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। अब से पेन

ड्राइव का उपयोग सिर्फ उन्हीं मामलों में किया जाएगा, जहां इसकी वास्तविक आवश्यकता हो।

कब मिलेगी पेन ड्राइव इस्तेमाल की अनुमति?

यदि किसी विभाग में पेन ड्राइव का उपयोग बेहद जरूरी है, तो सिर्फ 2-3 पेन ड्राइव प्रति विभाग नियंत्रित व्हाइटलिस्टिंग के तहत इस्तेमाल की जा सकेगी।

अगर किसी सरकारी विभाग को कामकाज के लिए पेन ड्राइव की जरूरत पड़ेगी, तो उस विभाग के प्रमुख (हेड) को पहले औपचारिक तौर पर लिखित अनुरोध करना होगा। यह अनुरोध नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (ठकऊ) के स्टेट इंफॉर्मेटिक्स ऑफिसर (रक्ड) को भेजा जाएगा। जब रक्ड से मंजूरी मिल जाएगी, तब वह पेन ड्राइव संबंधित ठकऊ दफ्तर में जमा करनी होगी। वहां उस पेन ड्राइव की ऑडिट, सेटिंग बदलना, कंट्रोल और ओनरशिप रजिस्ट्रेशन दर्ज किया जाएगा। उसके बाद ही उस पेन ड्राइव का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

सरकार ने सुझाया सुरक्षित विकल्प

सरकार ने पेन ड्राइव के विकल्प के रूप में सभी विभागों को विशेष प्लेटफॉर्म अपनाने का निर्देश दिया है।

डीडीयू : मेधावियों को 161 पदक,रिकॉर्ड 301 शोधार्थियों को मिली पीएचडी उपाधि, कुलपति ने कहीं ये खास बातें

कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्रदान करने का नहीं, बल्कि नये भारत की शिक्षा यात्रा में मील का पत्थर है। उन्होंने कहा इस वर्ष 73 हजार से अधिक उपाधिधारियों में 68.53% बेटियाँ शामिल रहीं। वहीं 76पदक विजेताओं में 56 छात्राएँ रही, यानी 73.33%। यह न सिर्फ बदलते समाज की तस्वीर है बल्कि क्षेत्रीय शिक्षा में महिलाओं की सशक्त उपस्थिति का प्रमाण भी।

सम्पादकीय

यदि कोई राज्यपाल विधेयकों पर बैठे रहते हैं तो होते हैं राजनीतिक समाधान

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयकों को पेंडिंग रखते हैं तो इससे विधान मंडल निष्क्रिय हो जाएगा। ऐसी स्थिति में क्या अदालतें हस्तक्षेप करने में असमर्थ हैं? दरअसल मई 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से यह राय मांगी थी कि क्या न्यायालय आदेशों द्वारा राष्ट्रपति-राज्यपाल को समय-सीमा में बांध सकता है? चीफ जस्टिस आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ इसी प्रेजिडेंशियल रेफरेंस पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान शुक्रवार को भारत सरकार के सॉलिसीटर जनरल ने दलीलें दी कि न्यायपालिका राष्ट्रपति या राज्यपाल को बाध्यकारी निर्देश नहीं दे सकती। तब चीफ जस्टिस ने सवाल किया क्या हम यह कहें कि चाहे संवैधानिक पदाधिकारी कितने भी ऊंचे हों, यदि वे कार्य नहीं करते तो अदालत असहाय है? हस्ताक्षर करना है या अस्वीकार करना है, उस कारण पर हम नहीं जा रहे कि उन्होंने क्यों किया। परन्तु यदि सक्षम विधान मंडल ने कोई अधिनियम पारित कर दिया है और माननीय राज्यपाल बस उस पर बैठे रहें तो सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि हर समस्या का समाधान कोर्ट में नहीं खोजा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे हुए हैं और उन पर निर्णय नहीं ले रहे हैं, ऐसे में राज्यों को न्यायिक समाधान के बजाए राजनीतिक समाधान तलाशने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर राज्यपाल विधेयकों में देर करते हैं तो रास्ता क्या है? तब सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि व्यावहारिक उत्तर यह है कि यदि कोई राज्यपाल विधेयकों पर बैठे रहते हैं तो राजनीतिक समाधान होते हैं। और ऐसे समाधान हो भी रहे हैं। हर जगह ऐसा नहीं होता कि राज्य को सुप्रीम कोर्ट आने की सलाह दी जाए। मुख्यमंत्री जाते हैं और प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मिलते हैं। प्रतिनिधिमंडल जाते हैं और कहते हैं कि ये विधेयक लंबित पड़े हैं, कृपया राज्यपाल से बात करें ताकि वे किसी न किसी रूप में निर्णय लें। कई बार टेलीफोन पर ही मामले को निपटा लिया जाता है। मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राज्यपाल की संयुक्त बैठकें होती हैं और इस तरह गतिरोध समाप्त होता है। लेकिन इससे ये अधिकार यानी ज्यूरिएडिक्शन नहीं मिल जाता कि जुडिशियल निर्णय के द्वारा समय-सीमा तय कर दें। सवाल यह है कि जब संविधान में समय-सीमा निर्धारित नहीं है तो क्या अदालत समय-सीमा तय कर सकती है? भले ही उसके लिए औचित्य हो? ऐसे मुद्दे कई दशकों से हर राज्य में उठते रहे हैं। लेकिन जब राजनीतिक (स्टेट्समैन शिप) और राजनीतिक परिपक्वता दिखाई जाती है तो वे केंद्र के संवैधानिक कार्यवाहकों से मिलते हैं, चर्चा करते हैं और राजनीतिक समाधान निकाल लेते हैं, यही इन समस्याओं के समाधान हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि अगर राज्यपाल की निष्क्रियता के खिलाफ कोई पीड़ित राज्य अदालत के पास आता है तो क्या आपके अनुसार न्यायिक समीक्षा पूरी तरह निषिद्ध है। इन पर तुषार मेहता ने कहा कि वे राज्यपाल की कार्रवाई की न्याय संगतता के प्रश्न पर नहीं हैं, बल्कि इस प्रश्न पर है कि क्या अदालत राज्यपाल को समय-सीमा के भीतर कार्य करने का निर्देश दे सकती है। इन पर चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर कोई गलत है, तो उपाय तो होना चाहिए। मेहता ने उत्तर दिया कि देश की हर समस्या का समाधान इस मंच (सुप्रीम कोर्ट) से नहीं हो सकता। इस पर चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि अगर कोई संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण अपना कर्तव्य नहीं निभाता, तो क्या इस न्यायालय के हाथ बंधे हुए हैं? जस्टिस सूर्यकांत ने इस दौरान जोड़ा कि अगर व्याख्या की शक्ति सुप्रीम कोर्ट में निहित है तो कानून की व्याख्या अदालत को ही करनी होगी।

'मैंने भारत-पाक के बीच संभावित परमाणु युद्ध रुकवाया', ट्रम्प ने फिर दावा, रोके हुए गए युद्धों की संख्या 7 की

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का श्रेय लिया। इसके साथ ही उनके द्वारा रोके गए युद्धों की लिस्ट में एक और युद्ध जोड़ा, जिनकी संख्या वह बार-बार छह और सात के बीच बताते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इनमें से चार युद्धों को बिजनेस टैक्स का लाभ उठाकर रोका।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच "संभावित परमाणु युद्ध" को रोक दिया था। हालांकि , भारत ने इस दावे को खारिज किया है, लेकिन ट्रंप इसे दो दर्जन से अधिक बार दोहरा चुके हैं। इस बार उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को भी अपनी इस लिस्ट में शामिल किया, जिसमें वह फिलहाल मध्यस्थता कर रहे हैं।

ट्रंप ने अपने हालिया मध्यस्थता के अनुभवों के बारे में बताया, "मैंने सोचा था कि हमने जिन सात युद्धों को निपटाया है, उनमें यह सबसे आसान होगा, लेकिन युद्ध में कभी नहीं पता चलता कि क्या होगा।"

उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के वोलोडिमिर जेलेंस्की से इस महीने की शुरूआत में मुलाकात की थी और कहा था, "मुझे लगता है कि हम जल्द ही एक समझौते पर पहुँच जाएंगे।"

ट्रंप ने कीव में "बम लोड होने" को समझौते में बाधा बताया। उन्होंने अलास्का आने के लिए पुतिन की प्रशंसा की और उनकी यात्रा को "युद्ध समाप्त करने की उनकी इच्छा का एक बड़ा संकेत" बताया। नाटो और यूक्रेन को धन मुहैया कराने के संबंध में, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बिडेन की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने यूक्रेन को "अरबों डॉलर" दिए थे।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब यूक्रेन को कोई पैसा नहीं देता। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका नाटो को हथियार बेचता है, जो अमेरिका को "पूरा भुगतान" करता है, और फिर नाटो यूक्रेन को मिसाइल और अन्य गोला-बारूद दे सकता है। उन्होंने यह भी कहा, "मैं युद्ध से कोई पैसा नहीं कमाना चाहता।"

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उनके प्रशासन ने जो बिडेन के प्रशासन की तुलना में नाटो को बेहतर हथियार बेचे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की मध्यस्थता से अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, उनके डिप्टी जेडी वेंस ने हाल ही में कहा है कि बातचीत में समय लगेगा।

इस बीच, भारत भी ट्रंप के इन बयानों के केंद्र में आ गया है। अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें वेंस भी शामिल हैं, ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए 25%+25% शुल्क, जिन्हें रूसी तेल खरीदने के लिए "जुमार्ना" बताया गया था, एक "आक्रामक आर्थिक दबाव" था, जिसने पुतिन को बातचीत की मेज पर ला दिया। मोदी सरकार घरेलू मोर्चे पर नए संकल्पों और राजनयिक पुनर्संयोजन के साथ प्रतिक्रिया दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दोहराया कि भारतीयों को "स्वदेशी" उत्पाद खरीदने चाहिए। वह इस महीने के अंत तक चीन का दौरा करने वाले हैं, ताकि ऐतिहासिक और नए सीमा विवादों के कारण ठप्प पड़े संबंधों में सुधार लाया जा सके। इस दौरे से पहले अतिरिक्त 25% शुल्क ("जुमार्ना") लागू हो जाएगा।

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अपनी लगातार कोशिशों के तहत, ट्रंप ने जिन युद्धों को रोकने का दावा किया है, उनमें आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच एक ऐतिहासिक समझौता शामिल है। दूसरा, इस साल जून में इजरायल-ईरान संघर्ष का अंत है। उन्होंने ईरान के परमाणु स्थलों पर इजरायली हमलों का समर्थन किया और दावा किया कि ईरान को "समझौता करो या और क्रूर हमलों का सामना करो" का उनका अल्टीमेटम काम कर गया।

नील नदी को लेकर मिस्र-इथियोपिया विवाद भी उनकी सूची में है, हालांकि दोनों देशों ने उनके दावों का खंडन किया है। उन्होंने रवांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के बीच शांति समझौते की भी घोषणा की। पांचवें नंबर पर, बिना किसी खास क्रम के, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष है, जिसके लिए उन्होंने कहा कि युद्धविराम उनके फोन कॉल से हुआ था।

बाद में, कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने नोबेल शांति पुरस्कार समिति को ट्रंप के लिए "नामांकन" पत्र लिखा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर, जिनकी ट्रंप ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के जवाब में भारत के जवाबी हमलों के तुरंत बाद मेजबानी की थी, ने भी ऐसा ही "नामांकन" किया है।

नीलम गिरी के 'बिग बॉस 19' में एंट्री लेने पर आम्रपाली दुबे ने कही ऐसी बात, वायरल हुआ पोस्ट

(जीएनएस)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो बिग बॉस अपने 19वें सीजन के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट आया है। हर सीजन की तरह इस बार भी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए कंटेस्टेंट्स शो में रंग जमाते नजर आ रहे हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी ने 'बिग बॉस 19' में लिया हिस्सा

हालांकि इन सभी कंटेस्टेंट्स में सबसे ज्यादा चर्चा भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस नीलम गिरी की हो रही है। उनके शो में शामिल होने की खबर से भोजपुरी दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

आम्रपाली दुबे ने दी शुभकामनाएं

-भोजपुरी फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने नीलम गिरी के इस नए सफर पर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नीलम के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसमें दोनों अभिनेत्रियां मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं।

-इस फोटो के साथ आम्रपाली

दुबे ने कैप्शन में लिखा है- शुभकामनाएं नीलम गिरी, हमें पूरा भरोसा है कि आप बिग बॉस 19 में धमाल मचाएंगी। घर लौटें, लेकिन ट्रॉफी के साथ।

नीलम गिरि का बलिया से 'बिग बॉस 19' तक का सफर

-जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में जन्मीं नीलम गिरि ने अपनी पढ़ाई पटना से पूरी की है। एक साधारण परिवार से आने के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखने का साहस दिखाया।

-शुरूआत में नीलम गिरि टिकटॉक और अन्य शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर अपने डांस और एक्टिंग वीडियोज से लोकप्रिय हुई थीं। धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ती गई और उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम जमाना शुरू कर दिया।

नीलम गिरी के साथ पवन सिंह के साथ मिला था पहला बड़ा मौका

-नीलम गिरि की असली पहचान तब बनी जब भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने उन्हें अपने म्यूजिक वीडियो 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' में मौका दिया। ये गाना रिलीज होते ही हिट हो गया था और इसने नीलम गिरि को रातों-रात स्टार बना दिया था।

कौन है जयपुर पिंक पैंथर्स का नया कप्तान? विपक्षी टीम को रौंद डालता है यह खिलाड़ी

(जीएनएस)।

जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग के सीजन 12 के लिए नितिन रावल को कप्तान और रेजा मिरबाघेरी को उप-कप्तान घोषित किया है। नितिन ने सीजन 5 में न्यू यंग प्लेयर के रूप में पिंक पैंथर्स से जुड़कर अपनी पीकेएल यात्रा शुरू की थी। वह सीजन 8 तक टीम के साथ रहे और इस साल फिर से टीम में शामिल हुए हैं। अब वे एक अनुभवी और भरोसेमंद ऑलराउंडर बन चुके हैं, जो युवा टीम के लिए नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उपयुक्त हैं।

रेजा मिरबाघेरी, जो सीजन 9 में टीम से जुड़े थे और उसी साल चैंपियनशिप जीती गई थी, इस बार उप-कप्तान के रूप में टीम की कमान संभालेंगे। वे डिफेंस के प्रमुख स्तंभ हैं और अपनी लगातार मेहनत और रणनीतिक समझ के लिए जाने जाते हैं।

नितिन और रेजा का नेतृत्व, हेड

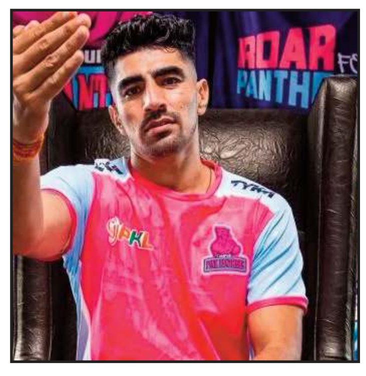

कोच नरेंद्र रेडू के मार्गदर्शन में, टीम को मजबूती देगा। देहरादून में कड़े प्रशिक्षण के बाद टीम अब 2 सितंबर 2025 को विशाखापट्टनम में पटना पाइरेट्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

नितिन रावल ने कहा "पीकेएल की शुरूआत यहीं से हुई थी, और अब कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारी टीम युवा और उत्साही है, हम अपने फैंस को खुश करने की पूरी कोशिश करेंगे।"

रेजा मिरबाघेरी ने कहा "जयपुर पिंक पैंथर्स मेरा घर है, और उप-कप्तान बनना सम्मान की बात है। मैं पूरी टीम के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।"

नितिन को लेकर हेड कोच नरेंद्र रेडू ने कहा "नितिन और रेजा दोनों टीम के लिए जरूरी संतुलन और ऊर्जा लेकर आते हैं, जो सफल सीजन के लिए जरूरी है।"

नितिन रेडिंग और टैकल दोनों में धमाल मचाते हैं। 100 से ज्यादा मैच अब तक वह खेल चुके हैं और 200 से ज्यादा रेड पॉइंट्स हासिल किये हैं।

'ऐसे परिवार के साथ क्यों रहना जो', संजय दत्त से नाराज हुई बेटी त्रिशाला! क्रिप्टिक पोस्ट ने मचाया तहलका

(जीएनएस)।

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की है जिसने तहलका मचा दिया है। त्रिशाला दत्त की इस पोस्ट के बाद अटकलें लगाई जा रही कि वो अपने पापा और परिवार से खफा हैं। उन्होंने इस पोस्ट में ऐसे रिश्तों से दूरी बनाने की बात कही है, जो मानसिक पीड़ा का कारण बनते हैं।

दरअसल, संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक ओपेन नोट लिखी। इस नोट में उन्होंने "जोड़तोड़ करने वाले" माता-पिता का जिक्र किया, जो अपनी संतानों के मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर "फैमिली इमेज" को प्राथमिकता देते हैं। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई।

त्रिशाला ने स्पष्ट मैसेज दिया कि हर वह व्यक्ति जिससे खून का रिश्ता हो, वह जीवन में जगह पाने का हकदार नहीं है। उन्होंने लिखा, "कभी-कभी, हमारे जानने वाले

सबसे ज्यादा थका देने वाले, अमान्य और नकार देने वाले लोगों को परिवार कहा जाता है।

परिवार का मतलब ये नहीं कि...

त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में आगे कहा कि व्यक्ति को अपनी शांतिपूर्ण जिंदगी जीने की आजादी है, जिसमें कम या बिल्कुल भी संपर्क न रखने की स्वतंत्रता शामिल है। त्रिशाला के अनुसार, फैमिली इमेज बनाए रखने के बजाय मेंटल हेल्थ को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि परिवार का अर्थ यह नहीं कि वे किसी के साथ गलत व्यवहार करें, हेरफेर करें या दोषी महसूस कराएं।

ऐसे इंसान से जुड़े रहने के जरूरत नहीं जो...

त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा, "आत्रिशाला ने साफ शब्दों में लिखा, ऐसे इंसान से जुड़े रहने की जरूरत नहीं है जो आपको तकलीफ पहुंचाता रहे। भले ही उन्होंने आपको पाला हो।" उन्होंने माता-पिता पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वे इस बात की ज्यादा परवाह करते हैं कि परिवार दुनिया को कैसा दिखता है, बजाय इसके कि उसमें रहना कैसा लगता है, तो यह एक समस्या है।

बता दें कि त्रिशाला दत्त, संजय दत्त और उनकी पहली पत्नी दिवंगत ऋचा शर्मा की बेटी हैं। 1987 में ऋचा शर्मा के साथ संजय की शादी हुई थी। त्रिशाला का जन्म 1988 में हुआ 1996 में अपनी मां की ब्रेन ट्यूमर से मृत्यु के बाद, वह अमेरिका में अपने नाना-नानी के साथ पली-बढ़ीं।वे फिल्म जगत से दूर हैं और पेशे से साइकोलॉजिस्ट हैं। फिलहाल वह अमेरिका में रहती हैं।

400 किमी साइकिल यात्रा, 100 से अधिक सीसीटीवी का सुराग, प्रेमानंद महाराज से मिलने छात्र की अनोखी जिद

राजधानी लखनऊ के पारा क्षेत्र का सातवीं कक्षा का छात्र अचानक घर से गायब हो गया। परिवार की बेचैनी उस वक्त चरम पर पहुंच गई जब रात तक भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर पूरी कहानी सामने आई।

दरअसल, छात्र ने पढ़ाई को लेकर मां की डांट से आहत होकर घर छोड़ दिया। उसने रेंजर साइकिल उठाई और करीब 400 किलोमीटर दूर वृंदावन की ओर निकल पड़ा। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले फिर उसी आधार पर उसके पीछे चल दी।

तीन दिन की मशक्कत के बाद छात्र वृंदावन के एक आश्रम में सुरक्षित मिल गया। वह वहां अपने प्रिय संत प्रेमानंद महाराज से मिलने गया था। पुलिस ने उसे बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया। बच्चे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली।

मोबाइल सर्च से मिली जानकारी

पुलिस जांच में सामने आया कि छात्र की मां के फोन से लखनऊ से मथुरा की दूरी सर्च की गई थी। इसी आधार पर पुलिस ने दिशा तय की और आगे के कैमरों में तलाश जारी रखी। अंततः वृंदावन तक की जानकारी जुटा ली गई।

सीसीटीवी ने खोली परत-दर-परत कहानी

चौकी प्रभारी ने बताया कि छात्र सबसे पहले शकुंतला मिश्रा

आगरा एक्सप्रेसवे पर काकोरी टोल प्लाजा के कैमरों में छात्र साइकिल से जाते दिखाई दिया। वहां से आगे बढ़ते हुए 70 किलोमीटर दूर बांगरमऊ कट पर उसने ट्रक पकड़ा और फिर आगरा उतरकर अपनी साइकिल से यात्रा जारी रखी।

विश्वविद्यालय के पास स्थित अस्पताल के कैमरे में दिखा। इसके बाद कैमरा फुटेज का पीछा करते हुए पुलिस सीसीटीवी के आधार पर उसे देखते हुए बढ़ती चली गई।

करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद स्पष्ट हो गया कि बच्चा वृंदावन की ओर बढ़ रहा है। पुलिस ने तुरंत टीम रवाना की और वहां के आश्रम से उसे सकुशल बरामद किया। पकड़े जाने के बाद बच्चे ने पुलिस को पूरी कहानी बताई।

लंबे समय से प्रेमानंद महाराज से मिलना चाहता था

छात्र ने पुलिस को बताया कि वह प्रेमानंद महाराज से मिलने का लंबे समय से इच्छुक था। वह उनके प्रवचन और वीडियो नियमित देखता था और उनसे मिलने की जिद मन में पाल रखी थी। इसी के चलते वह साइकिल से ही निकल गया।

पूछताछ में उसने बताया कि यात्रा के दौरान उसने साइकिल की हैंडिल पर अपनी शर्ट बांध दी और राधा-राधा नाम जपता रहा। उसका कहना था कि थकान भी भक्ति के भाव में गायब हो गई और वह सीधे वृंदावन पहुंच गया।

नारी संवेदना का पर्व हरितालिका तीज हरितालिका तीज पर विशेष

भारत त्योहारों का देश है। यहां प्रत्येक पर्व किसी न किसी धरमिक, सांस्वृतिक और सामाजिक परंपरा से जुड़ा होता है।

इन्हीं पर्वो में से एक है हरितालिका तीज। इस बार हरतालिका तीज(बड़ी तीज) 26 अगस्त 2025 मंगलवार को मनाई जाएगी। पाठकों को बताता चलूं कि हरतालिका तीज व्रत हिदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। यह भाद्रपद शुक्ल तृतीया का पावन पर्व है, जो वास्तव में नारी-संकल्प, स्त्री संकल्प, अटूट समर्पण और भत्ति का अद्भुत प्रतीक है। यह व्रत स्त्रियों के आत्मबल और अटूट आस्था को दशार्ता है, जिसमें शिव-पार्वती की आराधना के माध्यम से जीवन में सौभाग्य, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा का आ'ान किया जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पति-पत्नी के संबंधों की पवित्रता और सौहार्द बनाए रखने का यह एक सुंदर उत्सव है, जो आज भी उतने ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है।

हरतालिका तीज व्रत वुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए किया था। कहते हैं कि इस व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वैसे तो यह त्योहार पूरे भारत में बड़े ही हषरेल्लास और खुशियों के साथ मनाया जाता है, लेकिन मुख्य रूप से यह बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश विशेष रूप से उत्तर भारत में मनाया जाता है। नेपाल में इसे तीज महोत्सव के रूप में तीन दिन तक बड़े उत्साह से मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत को 'गौरी हब्बा' के नाम से जाना जाता है।

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार इस बार हरितालिका तीज पर सर्वार्थ सिद्धि, शोभन, गजकेसरी और पंचमहापुरुष जैसे चार शुभ योग बन रहे हैं। ये योग इस व्रत को और अधिक फलदायी और मंगलकारी बना रहे हैं। वास्तव में, हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है-'हरत' और 'आलिका।' 'हरत' का मतलब है 'अपहरण' और 'आलिका' यानी 'सहेली। ' यहां पाठकों को बताता चलूं कि, मां पार्वती की सखियों ने उन्हें उनके पिता द्वारा तय विवाह (भगवान विष्णु से) से 'हर' लिया और जंगल में ले गईं, ताकि वे तपस्या कर शिव को पति रूप में प्राप्त कर सवें। इसी कारण इसका नाम हरितालिका तीज पड़ा। पौराणिक कथाओं में विवरण मिलता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए 108 जन्मों तक तपस्या की थी और 109वें जन्म में, हरितालिका तीज के दिन उनका विवाह भगवान शिव से हुआ। हरितालिका तीज को नारीसंवेदना का पर्व भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन महिलाएँ अपनी इच्छाओं, दुख-सुख और मन की बातें गीतों और सामूहिक नृत्यों के माध्यम से व्यत्त करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ तीज के गीतों में वैवाहिक जीवन की खुशियाँ और पीड़ा दोनों गाती हैं। वास्तव में यह पर्व प्रवृति और शृंगार से जुड़ा भारतीय संस्वृति का अनोखा, अद्भुत पर्व है।

साभार-सुनील कुमार महला

इक्षक : जलमार्गों की सुरक्षा का स्वदेशी प्रहरी

'इक्षक' का स्वदेशी निर्माण, उन्नत तकनीकी क्षमताएं, महिला अधिकारियों के लिए विशेष प्रावधान और बहुआयामी उपयोग इसे न केवल भारतीय नौसेना के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बनाते हैं।

आने वाले वर्षो में यह पोत भारतीय नौसेना की समुद्री शत्ति, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा।

भारतीय नौसेना की बढ़ती सामरिक क्षमताओं और समुद्री प्रभुत्व को सुदृढ़ करने की दिशा में उस समय एक और मील का पत्थर जुड़ गया, जब स्वदेशी तकनीक से निर्मित आधुनिकतम सव्रेक्षण पोत (एसवीएल) 'इक्षक' को आधिकारिक रूप से नौसेना को सौंप दिया गया। 'इक्षक' का अर्थ है 'मार्गदर्शक' और यह नाम अपने आप में प्रतीकात्मक है क्योंकि इस जहाज का मूल उद्देश्य ही समुद्री मार्गो, नौवहन चैनलों तथा गहरे समुद्री क्षेत्रों का सटीक सव्रेक्षण कर मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह पोत भारतीय नौसेना के लिए न केवल सामरिक दृष्टि से बल्कि तकनीकी और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया यह पोत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स

(जीआरएसई) कोलकाता में निर्मित हुआ है।

जीआरएसई द्वारा निर्मित यह 802वां जहाज और 113वां युद्धपोत है। इससे पहले इस श्रेणी के दो पोत 'आईएनएस संध्याक'

और 'आईएनएस निर्देशक' ामशः दिसंबर 2023 और अक्टूबर 2024 में नौसेना को सौंपे गए थे।

चार पोतों की इस श्रृंखला में 'इक्षक' तीसरा पोत है जबकि चौथा पोत अगले वर्ष तक नौसेना में सम्मिलित होने की संभावना है।

'इक्षक' की नींव 6 अगस्त 2021 को रखी गईं थी और इसे 26 नवंबर 2022 को लांच किया गया था। निर्माण से लेकर डिलीवरी तक इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और सामग्री का उपयोग किया गया है। यह आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दशार्ता है कि भारत अब महत्त्वपूर्ण समुद्री प्लेटफार्मो को विदेशी निर्भरता के बजाय स्वदेशी संसाधनों से निर्मित करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 'इक्षक' की डिलीवरी 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक ठोस प्रमाण है। इस पोत के निर्माण में बड़ी संख्या में भारतीय उद्योग, एमएसएमई और स्थानीय आपरूतिकताओं ने साियि योगदान दिया, जिससे न केवल रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बल मिला बल्कि देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रोत्साहन मिला। 'इक्षक' का विस्थापन लगभग 3400 टन है और इसकी वुल लंबाई 110 मीटर है। यह आकार इसे अपनी श्रेणी का सबसे बड़ा सव्रेक्षण पोत बनाता है। यह पोत उन्नत हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान संबंधी अनुसंधान कार्यो को संपन्न करने के लिए आवश्यक स्थिरता और क्षमता प्रदान करता है। इस पोत का ढ़ांचा आधुनिक एकीवृत निर्माण तकनीक से निर्मित किया गया है, जो मजबूती और टिकाऊपन सुनििति करता है। भारतीय शिपिग रजिस्टर (आईआरएस) के वगाकरण नियमों का पालन करते हुए इसका डिजाइन तैयार किया गया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में ₹1,400 करोड़ से अधिक मूल्य की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को लोकार्पित

माननीय प्रधानमंत्री ने महेसाणा-पालनपुर दोहरीकरण तथा कलोल-कडी-कटोसन रोड

और बेचराजी-रणुंज रेल लाइनों गेज परिवर्तन का लोकार्पण किया

माननीय प्रधानमंत्री ने कडी स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटन सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार, 25 अगस्त, 2025 को अपने गुजरात दौरे के दौरान ₹1,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं की एक श्रृंखला राष्ट्र को लोकार्पित की। इनमें महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन तथा बेचराजी-रणुंज रेल लाइन के साथ-साथ कटोसन रोड और साबरमती के बीच नई यात्री ट्रेन और रणुंज मार्ग से होते हुए बेचराजी स्टेशन से उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाना शामिल है। मुख्य समारोह अहमदाबाद में आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। साथ ही, कडी रेलवे स्टेशन और बेचराजी में स्थानीय समारोह आयोजित किए गए, जिनमें संबंधित सांसद, विधायक, स्थानीय प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। इन परियोजनाओं से विशेष रूप से उत्तरी गुजरात के महेसाणा, पाटन, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभ होगा। इनसे क्षेत्रीय संपर्क में वृद्धि, औद्योगिक विकास को बढ़ावा, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

माननीय प्रधानमंत्री ने कडी स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटन सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई

प्रथम फोटो में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 अगस्त, 2025 को अहमदाबाद में आयोजित समारोह में सभा को संबोधित करते हुए। द्वितीय फोटो में माननीय प्रधानमंत्री कडी रेलवे स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाते हुए।

65 किलोमीटर लंबी महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण ₹537 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है, जबकि 37 किलोमीटर लंबी कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन को ₹347 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार, 40 किलोमीटर लंबी बेचराजी-रणुंज रेल लाइन को भी ₹520 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से विशेष रूप से महेसाणा, बनासकांठा और पाटन जिलों के लिए सुगम, सुरक्षित और अधिक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हुआ है। इनसे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए यात्रा काफी आसान हो गई है, साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिला है।

रेल लाइन के दोहरीकरण से लाइन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे अहमदाबाद-दिल्ली कॉरिडोर पर तेज गति वाली ट्रेनें चलाना संभव हो गया है। इस परियोजना के पूरा होने से ट्रैफिक कंजेशन में कमी तथा क्रॉसिंग के कारण अनावश्यक यात्री ट्रेनों के रुकने की समस्या कम हुई है, जिससे ट्रेनों की समयपालनता सुनिश्चित हुई है। इस विकास से अधिक यात्री सेवाओं की शुरूआत के साथ-साथ माल ढुलाई की दक्षता में भी सुधार हुआ है, जिससे गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

37 किलोमीटर लंबी कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन को ₹347 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इस परियोजना ने क्षेत्र में यात्री और माल ढुलाई संपर्क को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया है। इस गेज परिवर्तन ने राष्ट्रीय ब्रॉड-गेज रेल नेटवर्क के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित किया है, जिससे माल और लोगों की तेज और अधिक कुशल आवाजाही संभव हुई है। यह परियोजना विशेष रूप से स्थानीय यात्रियों, कडी और कलोल के आसपास के छोटे व्यवसायों और उद्योगों के लिए लाभदायक है, जो गुजरात के महत्वपूर्ण औद्योगिक और कृषि केंद्र हैं। यह यात्रा के समय को भी कम करता है, अहमदाबाद और गांधीनगर तक पहुँच को बेहतर बनाता है और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है।

बेचराजी-रणुंज रेल लाइन का गेज परिवर्तन राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप किया गया है। यह पहल लॉजिस्टिक्स लागत को कम करती है और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में गुजरात की स्थिति को और मजबूत करती है, जिससे उत्तर गुजरात की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में तेजी आती है और साथ ही भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्रों में एक मानक स्थापित होता है।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने कडी रेलवे स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटक सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई यात्री सेवा धार्मिक स्थलों तक बेहतर पहुँच प्रदान करती है, क्षेत्र के दैनिक यात्रियों को लाभान्वित करती है और जमीनी स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है। यह फ्रेट सेवा राज्य के औद्योगिक केंद्रों से संपर्क बढ़ाएगी, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करेगी और रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

ये सतत और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन पहल यात्रा के समय को कम करेंगी, नए निवेश आकर्षित करेंगी और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगी। ये सभी रेल परियोजनाएँ, विकसित गुजरात के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

एमएलए भूपेंद्र सिंह के भतीजे के फार्महाउस से लाखों की अवैध शराब जब्त, आनन-फानन में खत्म किए रिश्ते

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के सागर जिले में आबकारी विभाग की एक बड़ी कार्रवाई ने सियासी हलकों में हड़कंप मचा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता, पूर्व गृहमंत्री और सागर से विधायक भूपेंद्र सिंह के सगे भतीजे रुद्र प्रताप सिंह के फार्महाउस से 24 अगस्त 2025 को 11.79 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद की गई।

इस कार्रवाई के बाद बहरिया थाने में रुद्र प्रताप के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(2) के तहत FIR दर्ज की गई। जैसे ही यह खबर सामने आई, भूपेंद्र सिंह ने अपने वकील के माध्यम से एक सार्वजनिक बयान जारी कर रुद्र प्रताप से सभी संबंध खत्म करने की घोषणा की।

बहरिया में आबकारी विभाग की छापेमारी

24 अगस्त 2025 की शाम को सागर जिले के बहरिया थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रुद्र प्रताप सिंह के फार्महाउस पर छापेमारी की। रुद्र प्रताप, BJP के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह के बड़े भाई स्वर्गीय महेश सिंह के बेटे हैं। यह फार्महाउस बहरिया के बामोरा क्षेत्र में स्थित है, जहां पशुओं के लिए चारा रखने वाले एक कमरे में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाई गई थी।

छापेमारी के दौरान पुलिस को अंग्रेजी और देसी शराब का बड़ा जखीरा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 11,79,374 रुपये आंकी गई। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह शराब अवैध रूप से संग्रहित की गई थी और इसे बेचने की योजना थी। इस मामले में रुद्र प्रताप सिंह के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(2) के तहत FIR दर्ज की गई।

जैसे ही यह खबर सामने आई, भूपेंद्र सिंह ने तत्काल कदम उठाते हुए अपने वकील के माध्यम से एक सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा, "मेरे परिवार में मेरी पत्नी, तीन बेटियां, और एक बेटा शामिल है। इसके अलावा मेरा किसी से कोई संबंध नहीं है। रुद्र प्रताप के धंधे से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।"

बुलंदशहर : ट्रक दुर्घटना में 11 लोगों की मौत और 40 तीर्थयात्री घायल

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक दुखद घटना में, एक ट्रक और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के परिणामस्वरूप दो नाबालिगों सहित 11 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना सोमवार तड़के हुई जब ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई।

बुलंदशहर में दर्दनाक ट्रक हादसा

यह दुर्घटना बुलंदशहर-अलीगढ़ सीमा पर अर्निया बाईपास के पास सुबह करीब 2:10 बजे हुई। ट्रैक्टर-ट्रॉली 61 तीर्थयात्रियों को कासगंज जिले के रफतपुर गांव से राजस्थान के जहरपीर ले जा रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पुष्टि की कि 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 10 यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

प्रतिक्रिया और राहत उपाय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को घायलों के लिए इष्टतम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का निर्देश दिया। मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई है, जबकि प्रत्येक घायल व्यक्ति के लिए 50,000 रुपये आवंटित किए गए हैं। पीड़ितों को उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज, बुलंदशहर जिला अस्पताल और खुर्जा में कैलाश अस्पताल शामिल हैं।

पीड़ित और अस्पताल में भर्ती

जिन लोगों की चोटों के कारण मृत्यु हो गई, उनमें लेखराज (40), उमाशंकर (60) और रामचरण (30) शामिल थे। अन्य मृतकों में ट्रैक्टर चालक ई यू बाबू (40), रामबेटी (65), चांदनी (12), घनाराम (40), मोक्षी (40), शिवंश (6), योगेश (50), और विनोद (45) शामिल थे, ये सभी कासगंज जिले के निवासी थे। तीन व्यक्ति अभी भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।

आधिकारिक कार्रवाई और बयान

हादसे में शामिल हरियाणा में पंजीकृत ट्रक को जब्त कर लिया गया है और कानूनी कार्यवाही शुरू हो गई है। दोपहर तक, प्राथमिक उपचार के बाद 18 घायलों को छुट्टी दे दी गई। जिलाधिकारी श्रुति और एसएसपी सिंह ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और अस्पताल में मरीजों से बातचीत की।

पृष्ठभूमि और सुरक्षा चिंताएं

उत्तर प्रदेश में यात्री परिवहन के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित है। इस प्रतिबंध के बावजूद, अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए संशोधन आम हैं। फरवरी 2024 में, कासगंज जिले में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पानी में पलटने से एक समान घटना में 23 लोगों की जान चली गई थी।

शिरोमणि अकाली दल ने अमेरिकी सरकार से आरोपों का सामना कर रहे भारतीय ट्रक चालक के प्रति दया दिखाने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

शिरोमणि अकाली दल (SAD) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार से अपील की है कि भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर हरजिंदर सिंह के मामले में मानवीय दृष्टिकोण पर विचार करे, जिस पर वाहन हत्या का आरोप लगाया गया है। पार्टी ने भारत सरकार से भी सिंह को कानूनी उपचार तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कांसुलर और कानूनी सहायता प्रदान करने का आ'ान किया है।

अकाली दल ने ट्रक चालक के प्रति सहानुभूति की अपील की

यह प्रस्ताव शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के दौरान पारित किया गया, जिसमें पंजाब के छह जिलों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। हरजिंदर सिंह, जो पंजाब के तरनतारन जिले के 28 वर्षीय हैं, पर फ्लोरिडा में एक दुर्घटना करने का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, सिंह कैलिफोर्निया भाग गए, लेकिन बाद में उन्हें पकड़ लिया गया और फ्लोरिडा वापस लाया गया।

समुदाय की चिंताएँ

SAD अध्यक्ष बादल ने सिंह को पंजाबी और सिख प्रवासी समुदाय का एक मेहनती सदस्य बताया जो निष्पक्ष सुनवाई का हकदार है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि सिंह को अदालत में बिना पगड़ी के पेश किया गया, जो सिखों के लिए विश्वास का एक पवित्र प्रतीक है। इस कृत्य से वैश्विक सिख समुदाय में कथित तौर पर दुख हुआ है।

समर्थन की अपील

प्रस्ताव में दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई और अमेरिकी सरकार से सिंह की पृष्ठभूमि और पंजाबी समुदाय के योगदान पर विचार करने का आग्रह किया गया। इसमें भारत के विदेश मंत्रालय से यह भी आ'ान किया गया कि वह भारतीय राजनयिक चैनलों के माध्यम से सभी कानूनी बचाव विकल्पों को सुनिश्चित करे।

प्रवासियों का समर्थन

SAD ने सिंह के लिए नैतिक, वित्तीय और कानूनी समर्थन के लिए उत्तरी अमेरिका में सिख और पंजाबी प्रवासी संगठनों से अपील की। पार्टी ने भारतीय और अमेरिकी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में पंजाबी और सिख ट्रक चालकों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया, वैश्विक पंजाबी समुदाय के लिए न्याय और मानवीय सहायता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

132 नई अतिरिक्त मुंबई लोकल ट्रेनों के सपोर्ट के लिए उठाया गया ये कदम, जानिए डिटेल

(जीएनएस)।

मुंबई की लोकल ट्रेन सिस्टम में एक बड़ा सुधार करते हुए, सेंट्रल रेलवे (CR) अपनी मुंबई डिवीजन में 92 नई 'स्टेब्लिंग लाइन्स' (ठहराव लाइनें) का निर्माण कर रहा है। इसका उद्देश्य मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट्स (MUTP) 3 और 3अ के तहत ट्रेनों की बढ़ी हुई संख्या को समायोजित करना है।

सेट्रल रेलवे टवळढ के इन दो चरणों के तहत 138 नए उपनगरीय ट्रेन रेक शामिल करने की तैयारी कर रहा है। इनमें से 123 रेक 12-डिब्बे वाले और 15 रेक 15-डिब्बे वाले होंगे। वर्तमान में, उफ के पास 166 उपनगरीय रेक हैं, जिनके लिए 162 ठहराव लाइनें उपलब्ध हैं। रोलिंग स्टॉक में इस तीव्र वृद्धि ने ठहराव और रखरखाव क्षमता में वृद्धि को आवश्यक बना दिया है।

इन 92 नई ठहराव लाइनों में से 16 का निर्माण मुंबई रेल विकास निगम (MRVC) द्वारा टवळढ 3 के तहत किया जा रहा है, जबकि अन्य 16 MUTP 3अ के तहत बन रही हैं। शेष 60 लाइनों का निर्माण उफ का अपना निर्माण विंग कर रहा है।

ये लाइनें रेलवे कॉरिडोर के साथ तैयार होंगी

एक वरिष्ठ टफ्श्ठ अधिकारी ने बताया, "इन 'स्टेब्लिंग लाइन्स को बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के समन्वय में चालू किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, कर्जत और मोहपे में नई लाइनें वहां विकसित किए जा रहे संबंधित रेलवे कॉरिडोर के साथ तैयार होंगी।"

स्टेब्लिंग लाइनें क्यों है बहुत जरूरी?

स्टेब्लिंग लाइनें गैर-परिचालन घंटों के दौरान रेक पार्क करने और नियमित निरीक्षण करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के रूप में काम करती हैं। वर्तमान में, उफ के उपनगरीय बेड़े का लगभग 12.5% निर्धारित रखरखाव के लिए कार शेड में भेजा जाता है। शेष या तो मौजूदा ठहराव लाइनों पर रखे जाते हैं, या जगह की कमी के कारण अस्थायी रूप से प्लेटफार्मों पर खड़े किए जाते हैं, जिससे परिचालन दक्षता प्रभावित होती है।

नई स्टेब्लिंग लाइनों से क्या होगा लाभ?

नई स्टेब्लिंग लाइनों के जुड़ने से प्लेटफार्मों पर भीड़ कम होने, देरी में कमी आने और रेकों के त्वरित बदलाव की उम्मीद है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रतिदिन 40 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा देने वाले नेटवर्क में सेवा आवृत्ति और विमुंबई की उपनगरीय रेल रीढ़ को मजबूत करेगा

अधिकारी ने आगे कहा, "यह बुनियादी ढाँचा उन्नयन केवल पार्किंग स्थान के बारे में नहीं है। यह अधिक सेवाओं के लिए क्षमता को अनलॉक करने, डाउनटाइम को कम करने और अंततः यात्रियों को अधिक विश्वसनीय लोकल ट्रेनों अनुभव प्रदान करने के बारे में है।"

अधिकारी ने कहा, "एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद, विस्तारित नई स्टेब्लिंग लाइनें बुनियादी ढांचा उफ के चल रहे आधुनिकीकरण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जो मुंबई की उपनगरीय रेल रीढ़ को मजबूत करेगा और दुनिया की सबसे व्यस्त शहरी परिवहन प्रणालियों में से एक को बहुत आवश्यक राहत प्रदान करेगा।"

पश्चिम रेलवे मुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य सेमुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारीश्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09087/09088मुंबई सेन्ट्रल- भावनगरटर्मिनस स्पेशल [2फेरे]

ट्रेन संख्या 09087मुंबई सेन्ट्रल - भावनगर टर्मिनसस्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 को मुंबई सेन्ट्रलसे 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:45 बजे भावनगरटर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09088 भावनगरटर्मिनस-मुंबई सेन्ट्रल स्पेशल गुरूवार, 28 अगस्त, 2025 को भावनगरटर्मिनस से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:30 बजे मुंबई सेन्ट्रलपहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, आणंद जं.,अहमदाबाद, विरमगाम, बोटाद, धोला, सोनगढ़औरसिहोर (गुजरात)स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर,स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या09087एवं 09088 की बुकिंग 25अगस्त, 2025को 15:00 बजेसेपीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिएयात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे सुरक्षा बल, नडियाद की सतर्कता से मोबाइल चोर गिरफ्तार

दिनांक 22.08.2025 को गुजरात एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 22953) के नडियाद रेलवे स्टेशन आगमन पर एक यात्री द्वारा मोबाइल चोरी होने की सूचना दी गई। ओनड्युटी महिला कान्स्टेबल मोना रोज द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुए ट्रेन में चेक कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक मोबाईल जिसकी किमत अंदाजन 24000/- मिला। पूछताछ करने पर उसने यह मोबाइल यात्री से चोरी करना स्वीकार किया। बाद मोबाईल को बरामद कर मोबाइल पीड़ित यात्री को उसकी पहचान करने हेतु दिखाया गया, जिसनेमोबाईलअपना होना बताया।

उक्त पकड़े गए व्यक्ति तथा बरामद मोबाइल को अग्रिम

कार्यवाही हेतु जीआरपी नडियाद को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में जीआरपी नडियाद में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही किया।

आईसीसी रिट्रीट में जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर की आर्थिक विकास संभावनाओं पर प्रकाश डाला

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर की भारत की आर्थिक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनने की क्षमता पर प्रकाश डाला। आईसीसी शताब्दी रिट्रीट में बोलते हुए, सिंह ने भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) से केंद्र शासित प्रदेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए निजी क्षेत्र और सरकार के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है।

जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर की विकास संभावनाओं पर चर्चा की

सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर कर दिया है, जिससे उद्योग की भागीदारी के अवसर खुल गए हैं। उन्होंने कहा, "सरकार बहुत आगे बढ़ गई है," उन्होंने परमाणु क्षेत्र का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां निजी उद्योग शुरू में बदलाव के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने उद्योगों से इस नए माहौल में नेतृत्व लेने का आग्रह किया।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्थानीय नवाचार

मंत्री ने लैवेंडर की खेती के "बैंगनी क्रांति" का हवाला देते हुए एक सफल सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल बताया। उन्होंने उन्नत सेब की खेती तकनीकों को अपनाने वाले स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, जिनमें महिलाओं के नेतृत्व वाले समूह भी शामिल हैं, का भी उल्लेख किया। इन पहलों के परिणामस्वरूप उपज में वृद्धि हुई है और उत्पादों की शेल्फ लाइफ लंबी हो गई है, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि प्रारंभिक उद्योग संपर्क कैसे आजीविका में सुधार कर सकता है।

सिंह ने आईसीसी से उद्यमियों को सरकारी एजेंसियों और निजी खिलाड़ियों के साथ बड़े पैमाने पर जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने भारत के स्टार्टअप बूम पर भी प्रकाश डाला, जिसमें लगभग 1.7 लाख उद्यम पंजीकृत हैं, जिनमें से 60% से अधिक टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। उन्होंने तर्क दिया कि श्रीनगर जैसे शहर इस प्रवृत्ति से लाभान्वित होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

नीतिगत बदलाव और आर्थिक अवसर

सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष और जैव प्रौद्योगिकी जैसे एक समय सार्वजनिक क्षेत्र के लिए विशेषीकृत क्षेत्र अब निजी निवेश के लिए खुले हैं। सहयोग के लिए पहले से ही रूपरेखा मौजूद हैं, और उन्हें उम्मीद है कि भारत की अगली आर्थिक लहर जैव प्रौद्योगिकी-संचालित होगी। जम्मू और कश्मीर को इस परिवर्तन में अपना स्थान खोजना होगा।

श्रीनगर में आईसीसी रिट्रीट को समयबद्ध और प्रतीकात्मक दोनों ही बताया गया, जो एक स्पष्ट संदेश दे रहा है कि जम्मू और कश्मीर भारत की मुख्यधारा की आर्थिक वृद्धि में एकीकृत होने के लिए तैयार है। सिंह ने क्षेत्र में उद्योग की भागीदारी के लिए एक स्पष्ट योजना और समय-सीमा की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्टार्टअप और नवाचार का समर्थन

एक अन्य कार्यक्रम में, सिंह ने अवंतीपोरा में इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईयूएसटी) में डीएसटी इंक्लूसिव टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (आई-टीबीआई) और आईफैक्ट्री लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने घाटी के महत्वाकांक्षी उद्यमियों की सहायता के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से 5 करोड़ रुपये के सहायता पैकेज की घोषणा की।

विवादित बयानों पर वाराणसी और संभल की अदालत में अगली सुनवाई कब? जानें नई तिथियां

(जीएनएस)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयानों को लेकर कानूनी मोर्चा गमार्ता जा रहा है। वाराणसी और संभल की अदालतों में अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हुई। दोनों जगह अदालतों ने नए दिन तय करते हुए आगे की प्रक्रिया स्थगित कर दी।

सोमवार को वाराणसी के एमपी/एमएलए कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मामले की अगली तारीख चार सितंबर घोषित की। यह मामला राहुल गांधी के अमेरिका दौरे से जुड़ा है, जहां उन्होंने सिख समुदाय के संदर्भ में एक टिप्पणी की थी।

याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्रा का कहना है कि बयान से उनकी भावनाएं आहत हुईं। उन्होंने पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वाद दायर किया था जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दाखिल की थी।

वाराणसी मामले में अधिवक्ताओं की दलील

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव पेश हुए। उन्होंने अदालत में आपत्ति पत्र दाखिल किया। कोर्ट ने पत्र को रिकॉर्ड में लेते हुए कहा कि चार सितंबर को बचाव पक्ष को अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा।

अधिवक्ता विवेक शंकर तिवारी ने बताया कि इस मामले में अदालत ने पूर्व की सुनवाई में याचिका स्वीकार कर ली थी। अब आगे की प्रक्रिया में यह देखा जाएगा कि आरोपों पर राहुल गांधी की ओर से क्या स्पष्टीकरण दिया जाता है।

संभल की अदालत में अलग विवाद

इधर, संभल की एक अदालत में राहुल गांधी के एक अन्य बयान पर सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि निचली अदालत से रिकॉर्ड अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। इसलिए इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की गई है।

मछली महल में स्वच्छता की नई मिसाल, सुपरवाइजर दिलीप ने जीता जनता का दिल

नगर निगम के नायक बने सुपरवाइजर दिलीप,

लखनऊ। जब शहर की गलियों में स्वच्छता की बयार बहे तो हर दिल में सुकून छा जाता है। लखनऊ के दिल, मछली महल क्षेत्र में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। जहाँ, नगर निगम के सफाई कर्मचारी सिर्फ अपनी ड्यूटी नहीं निभा रहे, बल्कि एक जुनून के साथ काम कर रहे हैं। इस बदलाव की कहानी के केंद्र में हैं सुपरवाइजर दिलीप, जिनकी लगन और मेहनत ने इस क्षेत्र की सूरत ही बदल दी है।

बारिश का मौसम हो या धूप की तपिश, मछली महल की गलियों में नगर निगम की टीम पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है। नालियों की सफाई, सड़कों को चमकाना, ये सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जिसे ये लोग बखूबी निभा रहे हैं। इस टीम को सही दिशा देने वाले सुपरवाइजर दिलीप ने अपने कुशल नेतृत्व से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्रवासियों के दिलों में भी अपनी एक खास जगह बनाई है। उनके काम करने का तरीका ऐसा है कि हर कोई उनकी तारीफ करता नहीं थकता। उनका मानना है कि लापरवाही की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, और यही सोच इस पूरे क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

इस सफलता का श्रेय सिर्फ नगर निगम को नहीं जाता, बल्कि यह क्षेत्र के लोगों के सहयोग का भी परिणाम है। जब लोग देखते हैं कि उनके लिए कोई इतनी मेहनत कर रहा है, तो वे भी खुद को इस प्रयास का हिस्सा मान लेते हैं। क्षेत्रवासी खुलकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं और सुपरवाइजर दिलीप के साथ-साथ क्षेत्रीय पार्षद और नगर आयुक्त का भी धन्यवाद कर रहे हैं। यह दिखाता है कि जब सरकारी पहल और जनभागीदारी का संगम होता है, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मछली महल की यह कहानी हमें सिखाती है कि किसी भी बड़े बदलाव की शुरूआत छोटे-छोटे प्रयासों से होती है। जब एक अधिकारी पूरी ईमानदारी से अपना काम करे, और जनता उसका साथ दे, तो शहर की सूरत अपने आप ही संवरने लगती है। यह सिर्फ सफाई की बात नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण की दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम है।

स्योहारा में सपा अंबेडकर वाहिनी अध्यक्ष मिठाई लाल भारती का स्वागत, इमरान अख़्तर को बताया भविष्य का नेता

(जीएनएस)।

बिजनौर।

सपा अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती का स्योहारा में पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन हाजी अख़्तर जलील के निवास पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सपा से जुड़े कई दिग्गज नेता भी मौजूद रहे।

मिठाई लाल भारती ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाला समय समाजवादी पार्टी और उसकी जनहितकारी नीतियों का होगा। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा के झूठे वादों, महंगाई, बेरोजगारी और फरेब से आजिज आ चुकी है और आगामी चुनाव में इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना होगा। भारती ने युवा नेता इमरान उर्फ सनी अख़्तर की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य का एक सफल और जुझारू नेता बताया।

इस मौके पर पूर्व जज एवं नगीना लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी मनोज कुमार ने भी पार्टी की नीतियों को जनता का हितैषी करार दिया। उन्होंने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे हैं, लेकिन इमरान अख़्तर जैसे युवा नेता निस्वार्थ भाव से सपा की सेवा में जुटे हुए हैं।

वहीं पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान के पुत्र अमित चौहान ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा शासन में विकास और खुशहाली मिली थी, जबकि वर्तमान सरकार ने जनता को केवल परेशानियां दी हैं। सहारनपुर के पूर्व चेयरमैन मेराजुद्दीन ने भी अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी को जनता का सच्चा हितैषी बताया।

कार्यक्रम में अफजाल चौधरी, नसीम कुरैशी, वसीम बबली, जावेद शम्स सहित कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला से लौट रहे परिवार पर टूटा कहर, सड़क हादसे में दो महिलाओं की जान गई

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिले में रविवार रात हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियाँ मातम में बदल दीं। नजीबाबाद की रमेश कॉलोनी निवासी बाला वर्मा अपनी बहू मानसी और पुत्र शुभम के साथ गजरौला से लौट रही थीं। परिवार की कार जैसे ही शहर कोतवाली क्षेत्र के दारानगर गंज स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुँची, सामने से आ रहे एक लोडर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जाँच के बाद बाला वर्मा और उनकी बहू मानसी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, पुत्र शुभम और कार चालक आर्यन आर्य की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

शहर कोतवाली पुलिस ने हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल का निरीक्षण किया और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

इस दर्दनाक घटना से मृतक परिवार में कोहराम मचा हुआ है। स्थानीय लोग भी घटना से स्तब्ध हैं और परिजनों के दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े होने की बात कह रहे हैं।

सपा कार्यालय अर्दली बाजार में सामाजिक न्याय के पुरोधा बी.पी. मंडल जी की जयंती मनायी गयी।

एस आई आर और वाराणसी में बढ़ते हुए अपराध के खिलाफ जिला मुख्यालय पर सपा का हल्लाबोल।

(जीएनएस)।

वाराणसी 25अगस्त। आज जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय अर्दली बाजार में सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद बी० पी० मण्डलकी जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में इनके सामाजिक व राजनैतिक योगदान पर चर्चा करते हुए उपस्थित वक्ताओं ने उन्हें पिछड़ों का मसीहा बताते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उन्हें भारत रत्न देने की मांग की। इसके पश्चात जिला अध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता कार्यालय परिसर से जुलूस की शक्ल में एस आई आर और वाराणसी में लगातार हो रही हत्याएं एवं बढ़ाते हुए अपराध के खिलाफ जिला मुख्यालय की ओर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कूच किया। जिला मुख्यालय पर जिला प्रशासन द्वारा भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी सपाइयों और पुलिस के बीच धक्का मुक्की भी हुई उसके बाद सपाई जिला मुख्यालय गेट के सामने जमीन पर बैठकर धरना देने लगे।

जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने बताया कि बिहार सहित पूरे देश में मतदाता सूची से पीडीए समाज के लोगों का नाम गायब किया जा रहा है। बिहार में 65 लाख लोगों का नाम एस आई आर के नाम पर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश के पिछले चुनाव में पार्टी के जीवित 18000 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। पार्टी ने सभी 18000 जीवित मतदाताओं के शपथ पत्र चुनाव आयोग को सौंपा लेकिन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की इसी संबंध में एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एसीएम थर्ड को दिया गया। इसी क्रम में वाराणसी जिले में हो रही लगातार हत्याओं और अपराधों के खिलाफ एक ज्ञापन पत्र पुलिस आयुक्त के प्रतिनिधि एसीपी कैंट को दिया गया है जिसमें विगत 20 जुलाई को चोलापुर थाना क्षेत्र के तेवर ग्राम निवासी कुणाल गौड़ को बर्थडे पार्टी के नाम पर बुलाकर मार दिया गया। लेकिन पुलिस द्वारा क्षेत्रीय विधायक के दबाव में मामले में लीपा पोती की जा रही है। सारनाथ थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े कॉलोनाइजर महेंद्र गौतम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जैतपुरा थाना क्षेत्र में शैलपुत्री मंदिर के पास सूरज सोनकर को रॉड व पत्थर से कुच कर मार दिया गया। ब्रिज एंक्लेव कॉलोनी सुंदरपुर में शिक्षक डॉक्टर प्रवीण झा को रॉड और डंडे से मार कर मौत के घाट उतार दिया गया। जिस तरह से वाराणसी में लगातार हत्याएं हो रही है इससे यह प्रतीत होता है कि अपराधियों के अंदर कानून का भय समाप्त हो चुका है और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी उत्तर प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं।

समाजवादी अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री व्यास गौड़ ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चाहे किसी पर हमला करे जमीन कब्जा करे अपराध करें या भ्रष्टाचार करें उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी उनके घरों पर बुल्डोजर नहीं चलेगा। सिर्फ पीडीए समाज के लोगों को चुन चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। यह भाजपा का चरित्र है। पीडीए नारे के साथ जनता को जोड़ना है। भाजपा की अन्यायी भ्रष्टाचारी सत्ता को उखाड़ फेंकना हैं।

जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने कहा कि आज पूरे देश ने स्वीकार कर लिया है कि भाजपा वोट चोरी करती है। वोट की डकैती करती है। अब पार्टियों और कार्यकताओं का काम बहुत बढ़ गया है। वोट बनवाना वोट जोड़वाना फिर चुनाव में वोट पड़वाना और वोट गिनवाना। जनता को हर स्तर पर सतर्क रहना होगा। कार्यकताओं के साथ मिलकर बूथ पर और ज्यादा काम करना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं संचालन जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सर्वश्री प्रदेश अध्यक्ष महिला सभा श्रीमती रीबू श्रीवास्तव आनंद मोहन गुड्डू उमेश प्रधान संजय मिश्रा सुनील सोनकर शशी यादव अखिलेश यादव ओ पी पटेल राहुल यादव जितेंद्र पटेल आयुष यादव विद्या भारती बाबूलाल यादव संगीता पटेल रामकुमार यादव जिशान अंसारी आनंद यादव डी के मौर्या इस्माइल खान गुड्डू शिवप्रसाद गौतम राजेंद्र प्रसाद विनोद भास्कर गौड़ रामसिंह भारद्वाज धर्मवीर पटेल सुनील यादव सन्नी सोनकर करीमुल्ला अंसारी जवाहर लाल नन्दलाल कन्नौजिया मनोज यादव सोनू सोनकर शुभम यादव रीना यादव अनूप नट मो. रफीक व दिनेश गायक सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

नवागत और पदोन्नत निरीक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश सिंह का क्षेत्रीय लोगों ने किया स्वागत, सम्मान : पुलिस और पत्रकारों के समन्वय से लोगों को मिला है न्याय

मथुरा (जीएनएस)। थाना जैंत में तैनात उपनिरीक्षक नरेश कुमार सिंह की कुशल कार्यशैली के चलते हाल ही में हुई उनकी पदोन्नति से क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है। यही कारण है कि जगह-जगह क्षेत्र के लोगों द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार को तरंग डिवाइन सिटी स्थित इन्वेस्टो होम्स प्राइवेट लिमिटेड के पदाधिकारीयों तथा कर्मचारीयों द्वारा नवागत थाना प्रभारी जैंत उमेश चंद्र त्रिपाठी और पदोन्नत हुए इंस्पेक्टर नरेश कुमार सिंह के साथ ही समाचार सिटी 24 के प्रधान संपादक प्रकाश सिंह का समाज में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके साथ ही कुशल कार्यशैली के लिए चौकी प्रभारी नयति पवन कुमार सिंह का भी क्षेत्रीय लोगों ने स्वागत किया गया। इस दौरान इंस्पेक्टर उमेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा की पुलिस के जीवन में तमाम तरह के उतार चढ़ाव आते हैं लेकिन सच्ची पुलिसिंग वही है जो समाज में सद्भावना कायम करके भय के माहौल को जड़ से खत्म कर सके। वहीं दूसरी ओर पदोन्नत इंस्पेक्टर नरेश कुमार सिंह ने कहा की उन्होंने वर्दी पहनते समय ही यह तय कर लिया था की यह वर्दी में अपने समाज की सुरक्षा, सम्मान और सद्भावना के लिए धारण कर रहा हैं, इसकी गरिमा को कभी कम नहीं होने देंगे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश सिंह ने कहा की पुलिस और पत्रकार का चोली-दामन साथ होता है, दोनों ही सदैव समाज के हित में कार्य करते हैं और यदि यही परंपरा निष्पक्ष रूप से चलती रही तो निश्चित ही समाज का उत्थान होना निश्चित है।

इस मौके पर इन्वेस्टो होम्स के मार्केटिंग हेड भगवत गौतम, मुकेश सिसौंदिया, मैनेजर अमित कुमार, इन्वेस्टो साइकल्स की मार्केटिंग हेड तृषित पांडेय, सपना सिंह, सोनू सिसौंदिया, रामकिशन रावत, हेड कांस्टेबल जोगिंदर सिंह और विश्वेंद्र सिंह समेत क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

औद्योगिक क्षेत्र से स्कूल जा रहे बच्चों का अपहरण करने का हुआ प्रयास : लोगों ने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सौंपा, पुलिस कर रही जांच

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाइवे क्षेत्र स्थित इंडस्ट्रियल एरिया रोड़ पर सोमवार सुबह स्कूल जा रहे चार बच्चों के अपहरण का प्रयास होने से लोगों में और पुलिस में हड़कंप मच गया। स्कूली बच्चों का आरोप है कि दो लोगों ने तमंचा दिखाकर बच्चों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन तीन बच्चे शोर मचाते हुए कर सड़क पर भागने लगे। जब की एक बच्चे को बदमाशों ने उठाकर भागने लगे। उसी दौरान लोगों ने शोर सुना तो एक बदमाश को पकड़ लिया और बच्चे को बदमाश से मुक्त कराके लोगों ने बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया। स्कूल से घर लौटने के बाद बच्चों ने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। वहीं दूसरी ओर सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने अपहरण की घटना से इंकार किया है। परिजनों ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर थाना हाईवे में दी है। अंदरखाने पुलिस घटना की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 8 बजे थाना हाईवे क्षेत्र स्थित पन्नापुर गांव निवासी शबनम, सुनीता, बंटू और धर्मी जयगुरुदेव मंदिर के समीप एक स्कूल जा रहे थे। उसी बीच गंदे कुआं के पास दो लोग आए। आरोप है कि तमंचे के बल पर चारों बच्चों को बदमाशों ने पकड़ने का प्रयास किया। उसी दौरान तीन बच्चे भागते हुए चिल्लाने लगे। तीन बच्चों के भागने पर बदमाश एक बच्चे को लेकर भागने लगा। बच्चों के शोर को सुनकर लोगों ने बदमाशों को पकड़ने के लिए दौड़ लगा दी। एक बदमाश तो भागने में सफल हो गया, जबकि दूसरे बदमाश को लोगों ने पकड़ लिया। सूचना मिलने पर हाईवे पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बताया जाता है कि लोगों ने पकड़े गए एक बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद स्कूल की छुट्टी होने पर घर पहुंचे बच्चों ने घटना के बारे में परिजनों को बताया। इसके बाद एक बच्चे का पिता राजेंद्र, थाना हाईवे पहुंच गया और पुलिस को तहरीर दी है। इस संबंध में सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया कि अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई है। कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में एक व्यक्ति फैक्ट्री में काम करता है। सुबह फैक्ट्री का ताला नहीं खुलने पर व सामने झाड़ियों में लघुशंका करने चला गया था। इसी दौरान बच्चे वहां से निकले तो वह अचानक झाड़ियों से निकल आया। इससे घबरा कर बच्चे चिल्लाकर भागने लगे थे। उन्होंने कहा कि पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है तथा पुलिस घटना की जांच कर रही है।

धाता में उद्योग व्यापार मंडल का गठन

धाता कस्बे में सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल धाता का गठन जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसमें गुलजार सिंह को अध्यक्ष, मनोज सिंह को महामंत्री तथा रामतिलक चौधरी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया और कहा कि संगठन व्यापारियों के खिलाफ हर उत्पीड़न की लड़ाई लड़ेगा। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष कुँवारे सिंह, नगर उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल सहित कस्बे के अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

लापरवाह कर्मचारियों पर नगर आयुक्त ने दिए कड़ी कार्रवाई के संकेत : नगर आयुक्त ने निरीक्षण में गायब मिले कर्मियों का वेतन काटने के दिए निर्देश

मथुरा (जीएनएस)। नगर निगम क्षेत्र में साफ-सफाई में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के नगर आयुक्त ने संकेत दे दिए हैं। नगर आयुक्त जग प्रवेश प्रत्येक दिन नागरिक सुविधाओं की स्थलीय जानकारी करने के उद्देश्य से अलग अलग वार्डो में निरीक्षण करके कार्रवाई कर रहे हैं। इसीक्रम में उन्होंने सोमवार को वार्ड संख्या 38 (सिविल लाइन) और वार्ड संख्या 10 (औरंगाबाद प्रथम) का स्थलीय निरीक्षण किया। नगर आयुक्त द्वारा निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति, नालियों की नियमित सफाई और डलाव घर (कूड़ा स्थलों) की नियमित समय पर सफाई व्यवस्था का मूल्यांकन किया। नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 38 सिविल लाइन में निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया तो उन्हें 2 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। नगर आयुक्त ने उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जो सफाई कर्मचारी लंबे समय से अनुपस्थित हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है। इस दौरान नगर आयुक्त जग प्रवेश ने मुख्य मार्गों जैसे दामोदरपुर डलाव घर, चुंगी डलाव घर और आचार्य नगर के पास स्थित डलाव घर को समाप्त करने के बाद इन स्थलों पर सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे क्षेत्र की दृश्यात्मक सुंदरता में वृद्धि हो सके। इसीक्रम में वार्ड संख्या 10 औरंगाबाद प्रथम में निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका में ओवरराइटिंग मिली, जिस पर नगर आयुक्त ने सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को 5 कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिनके खिलाफ आज का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. गोपाल बाबू गर्ग, सफाई निरीक्षक निहाल सिंह, सफाई निरीक्षक विपिन और नेचर ग्रीन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिलाष सांगवान आदि उपस्थित रहे।

इंतजार खत्म: भारत का आइकॉनिक फैंटेसी सागा 'नागिन' अपने सीजन 7 के साथ लौट रहा है कलर्स पर

दो साल का इंतजार। अनगिनत फैन थ्योरीज। बेहिसाब अटकलें। और अब, वह पल आखिरकार आ गया है! कलर्स और एकता कपूर का बालाजी टेलीफिल्म्स फिर से एकजुट होकर लेकर आ रहे हैं वह सर्पिणी गाथा जिसने भारतीय टेलीविजन पर फैंटेसी की परिभाषा ही बदल दी — 'नागिन'। इसका बहुप्रतीक्षित टीजर बिग बॉस 19 के लॉन्च पर प्रदर्शित होगा, जो इस अलौकिक थ्रिलर के एक दशक के मनोरंजन में एक नए अध्याय की नींव रखेगा।

2015 में अपने पदार्पण से ही 'नागिन' ने भारतीय प्राइमटाइम टेलीविजन की तस्वीर ही बदल दी, यह साबित करते हुए कि फैंटेसी सिर्फ.कल्पना नहीं, बल्कि दर्शकों के दिलों और टीआरपी चार्ट्स पर भी राज कर सकती है। हर सीजन में नागिन ने अपने आकर्षण, शक्ति और संघर्षों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है और कल्पना की सीमाओं को आगे बढ़ाया है।

अब यह एपिक फ्रेंचाइज एक बार फिर स्पॉटलाइट में लौट रही है—अपने अनूठे आकर्षण, हाई-वोल्टेज ड्रामा और रहस्यमयी अद्भुत दुनिया के साथ, जो अपने ताज को फिर से हासिल करने को तैयार है। सालों से इस कल्ट क्लासिक को टीवी की कुछ सबसे मशहूर अदाकाराओं ने जीवंत किया है—मौनी रॉय, अदा खान, सुरभि ज्योति, अनीता हसनंदानी, निया शर्मा, सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश। और अब, सबसे बड़ा रहस्य यही है—इस बार नागिन की भूमिका कौन निभाएगा?

उल्टी गिनती शुरू हो चुकी हैङ्ख फैंटेसी की रानी 'नागिन' लौट रही है अपने 7वें सीजन के साथ, बहुत जल्द केवल कलर्स पर।